ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, बुधवार 31 दिसम्बर 2025

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 2 अंक 239

उदयपुर शहर कांग्रेस : कैसे आएगी शोलों की आँच बर्फ़ीली राहों से...



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। आज दो टूक बात करेंगे उदयपुर शहर जिला कांग्रेस की। कल हमने देहात जिला कांग्रेस की बात की जिसे काफी सराहा गया। कई कमेंट व सुझाव आए। जिन पक्षों के हिस्से में आलोचना के स्वर आए उनसे नराजगी के स्वर भी आए, उन सबका तहे दिल से साधुवाद। राजनीतिक के महासमर में आज बात करेंगे उदयपुर कांग्रेस के 'हिम—युग'की। शहर कांग्रेस में हलचल तो बहुत हैं मगर लगता है कि सब कुछ ठंड में थम सा गया है। कोई आग बची तो हैं मगर पता नहीं चल रहा है कि वो सुलग कर कब राजनीतिक दावानल बनेगी। बन पाएगी भी या नहीं, या फिर बरसों बरस तक दीये ही टिमटिमाते रहेंगे किसी पवन के झोंके के आशीर्वाद से। फतह होकर भी फतह नहीं हो पाने के हालात। बिखरवा के बावजूद एकजुट दिखने की आस। भितरघात और खेमेबंदी के बीच वर्चस्व की आस। उम्मीदें बहुत हैं मगर ग्राउंड लेवल पर कोशिशें मुट्ठी भर भी नहीं। कार्यकर्ता के उत्साह से लेकर पदाधिकारियों के हौसलों तक पर बिछी बर्फ की चादर वाले इस ठहराव भरे मौसम के लिए आखिर कौन जिम्मेदार है?? अपने घर के चिराग रोशन करके पार्टी को ठंडे बस्ते में डालने वाले या फिर पड़ोसी के चूल्हे से आग लेकर खुद रोटियां सेकने वाले??? आइये समझने का प्रयास करते हैं—

खानाबदोशी ऐसी कि पिछले 50 साल में एक अदद आशियाना मयस्सर न हो सका उदयपुर शहर कांग्रेस को।

उस पर अलग अलग गुटों की आपसी खींचतान और संगठन सृजन की जटिलताओं के बीच स्व सृजन की चाहतों की भेंट चढ़ती विचारधारा उदयपुर शहर कांग्रेस को लगातार चुनौती दे रही हैं।

बात शुरू करते हैं दूसरी बार जिलाध्यक्ष पद को सुशोभित करने वाले फतहसिंह राठौड़ साहब से। राठौड़ ने अपने पहले पहला कार्यकाल में संगठनिक गतिविधियों को आगे बढ़ाया व उत्साह जगाने की कोशिश की लेकिन कोशिशें रंग नहीं लाई क्योंकि ना तो कार्यकर्ता गेल्वेनाइज हो पाया ना ही खेमाबरदारों को यह समझ आ पाया कि उनके खेम से हटकर भी कोई कांग्रेस का अस्तित्व संभव है। संगठन सृजन याने कि फिर से अध्यक्ष चुने जाने की प्रक्रिया के दौरान फतहसिंह राठौड़ ने जिस तरीके से बाजी मारी उसके खासे चर्चे रहे। दिनेश खोडनिया का समर्थन तो था ही मगर अन्य नामों को पार पाने की जो चुनौती थी वे भी कम नहीं थी। संगठन सृजन के दौरान पंकज शर्मा या फिर दिनेशजी के रूप में निर्णायक रूप में राय सामने आ गई थी। बदलाव सब चाह रहे थे मगर अचानक पवन खेडा की सक्रिय भूमिका ने पूरे समीकरण को बदल कर रख दिया। पवन खेडा, जो उदयपुर से PCC और CWC सदस्य हैं, बताया जा रहा है कि उन्होंने जिलाध्यक्ष के चयन में फतहसिंह राठौड़ के पक्ष में अहम भूमिका निभाई। संदेश यह साफ साफ गया कि बिसात पवन खेड़ा की हैं जो उदयपुर से चुनाव लड़ने की दबी हुई इच्छा को इस बहाने चर्चा—च—आम करना चाहते हैं। अध्यक्ष उनके खेमे का ताकि बिसात उनके नाम की बिछे, नाम निचले कैडर से आए और उपर से मुहर लगाने में दिक्कत ना आए। इस अच्छी सी जाल बुनाई की खबर खबर आते ही "बाहरी को स्वीकार नहीं किया जाएगा," के नारे गूंजने लगे और यह संदेश शहर कांग्रेस के अंदर व्यापक स्तर पर फैल गया क्योंकि गौरव वल्लभ के रूप में एक धोखा कांग्रेस पहले ही खा चुकी है। कार्यकर्ता कहने लगे—एक धोखा खा चुके हैं, और खा सकते नहीं, आपनी हस्ती मिटा सकते नहीं। बहरहाल, ताजपोशी फतहसिंहजी की दुबारा हुई। पदभार ग्रहण समारोह के दौरान पवन खेडा की ओर से कांग्रेस भवन के लिए 5 लाख की घोषणा ने संकेत दिया कि उनकी निकाली बात अब दूर तलक जाएगी।

डोटासरा, दिनेश श्रीमाली और सीपी जोशी का भंवर

संगठन सृजन के दौरान प्रदेशाध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा ने भी अध्यक्ष पद पर फतहसिंह राठौड़ का पक्ष लेना भी संयोग रहा। चर्चा रही कि दावेदार दिनेश श्रीमाली का झुकाव सीपी जोशी की ओर था। पायलट साहब के जन्मदिन पर सांवलियाजी में दिनेशजी की उपस्थिति भी खूब चर्चित रही। सीपी जोशी का श्रीमाली के नाम पर जोर नहीं लगाना भी चर्च में रहा और बात बनते—बनते रह गई। इसके अलावा दिल्ली में ओबीसी कोटा वाली बात के भी खूब चर्चे रहे। दावेदार पंकज शर्मा के लिए हमेशा कहा जाता है कि पार्टी से उन्हें वो सब कभी नहीं मिला जिसके वे हकदार थे, इस बार भी आखिर कैसे चूक गए। चर्चा तो उनकी भी जोरों पर थी। मगर बताया गया कि सब नावों की सवारी के चक्कर में उनकी नैया पार न हो सके। पंकज जी सभी पक्षों के साथ संतुलन बनाए रखते हैं का परसेप्शन उनके लिए ही घातक साबित हुआ। और कांग्रेस के हाथ में पंकज खिलने से रह गया।

पवन खेड़ा की गणित में मोहरे और प्यादे

संगठन सृजन के बाद वोट चोर गद्दी छोड़ रैली में पवन खेडा की मौजूदगी ने बता दिया कि बाहरी पवन राजनीति के उदयपुर के क्लाइमेट पर दूरगामी असर डालने वाली है। अंदरखाने चर्चा रही कि अब राहुल गांधी के निर्देश बस आने ही वाले हैं कि वर्तमान जिलाध्यक्ष आगामी चुनाव में प्रत्याशी नहीं हो सकेंगे। यह निर्णय वार्ड और विधानसभा स्तर पर टिकट वितरण को भयंकर तरीके से प्रभावित करेगा। ऐसे में पवन जी को कोई अपना जरूर चाहिए था उदयपुर में जो बाद में उनके लिए चुनौती बनकर भविष्य में खड़ा न हो सकेगा।

अंदरखाने फूट से बिखराव दिख रहा

फतहसिंह राठौड़ मजबूती के साथ कदम बढ़ा रहे हैं। उनके पक्ष में धीरे धीरे कांग्रेस मजबूत भी हो रही है लेकिन हिम युग में मजबूती की खिचड़ी बहुत देर से पक रही है। सीट पर उनका सृजन तो दिख रहा है लेकिन संगठन में उनका सृजन अभी नहीं दिखाई दे रहा। वे अब भी कांग्रेस की एकल धुरी उदयपुर में नहीं हैं। बूथ स्तर पर हालत हद से ज्यादा कमजोर है। सामने भाजपा का मजबूत संगठन, बहु—आयामी सांगठनिक तेवर हैं, उनसे मुकाबले में शहर में कांग्रेस की कहीं मौजूदगी नहीं दिखाई दे रही है। कुछ मुद्दों पर प्रयास हुए हैं लेकिन लंबी लड़ाई और निर्णायक स्तर पर सड़क पर लड़ाई लड़ने वाले कांग्रेस में गिने चुने नाम ही दिखाई दे रहे हैं।

दिनेश श्रीमाली के गुट का मूवमेंट लगातार कम हो रहा है क्योंकि सबको पता है कि आने वाले चुनावों में टिकट वितरण में राठौड़ की ही चलने वाली है। तो जो टिकट दिलाने की ताकत रखेगा, जलवा उसी के साथ होगा। ऐसे में श्रीमाली गुट भी खुद को धीरे धीरे हाशिये पर ही रखेगा। पंकज शर्मा का खेमा सभी पक्षों के साथ संतुलन बनाए रखता है मगर वहां भी यही परेशानी है कि जब टिकट बंट रहे होंगे तब क्या पंकज जी अपने चहेतों को भी टिकट दिलवा सकेंगे। निकाय चुनाव इसकी सबसे बड़ी परीक्षा साबित होने वाले हैं। गिरिजा गुट (गोप जी) पिछली अवधि में कोई ठोस नाम या काम नहीं कमा पाया ऐसे में उनकी मौजूदगी अब नोटिस ही नहीं की जा रही है।

संगठन की कमजोरियां और मौजूदा स्थिति

शहर कांग्रेस में को बूथ स्तर पर संगठन को एकजुट करना चुनौतीपूर्ण काम रहेगा। सेवादल, यूथ कांग्रेस और अन्य प्रकोष्ठ इतने कमजोर हैं कि उनका रूतबा कहीं नहीं दिखाई देता। सच तो यह है उदयपुर शहर के अधिकांश कांग्रेसी नेता रील लाइफ में शानदार हैं, मगर रियल में उतरने में पूरी तरह से असफलता। जबकि वक्त की मांग जमीन पर पांवों में छाले पड़ जाने तक का अभ्यास करने व पसीना पसीना हो जाने की है। महासचिव स्तर पर जो खींचतान जारी है वो जग जाहिर है। फतहसिंह जी की कोर टीम में भी तालमेल की कमी संगठनिक स्थिरता के उचित नहीं कही जा रही है।

चुनावी दृष्टिकोण और भविष्य की रणनीति

उदयपुर शहर कांग्रेस की स्थिति स्पष्ट है। बूथ और वार्ड स्तर पर कमजोर संगठन और कार्यकर्ताओं में मोटिवेशन की कमी ने पार्टी को पहले से कमजोर स्थिति में पोजीशन कर रखा है। आगामी निकायों से लेकर विधानसभा और लोकसभा चुनावों में अगर कोई शोलों सी आंच नहीं आई तो फिर विफलताओं के सिलसिले लंबे चलते रही रहेंगे। नए साल में जिलाध्यक्ष को सबको साथ लेकर चलना होगा, उनको भी जिनको वे पसंद नहीं करते हैं या वे भी जो उन्हें पसंद नहीं करते।

ओसवाल सभा चुनाव प्रक्रिया पर सवाल, निष्पक्ष चुनाव की मांग को लेकर जोरदार विरोध



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। आगामी 11 जनवरी को होने वाले ओसवाल सभा चुनाव से पूर्व चुनाव प्रक्रिया में कथित विसंगतियों को लेकर दूसरे पक्ष ने ओसवाल भवन में धरना देकर निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव की मांग की। अध्यक्ष पद के प्रत्याशी संजय भंडारी ने आरोप लगाया कि संविधान के अनुसार मतदाता सूची की अधिसूचना जारी नहीं की गई तथा सूची में नाबालिगों, समाज से बाहर के लोगों और शहर से बाहर रहने वालों के नाम जोड़े गए। आपत्तियों के निस्तारण से पहले ही मतदाता सूची जारी कर दी गई। पूर्व अध्यक्ष प्रत्याशी मनीष गलुंडिया ने कहा कि अधिकृत मतदाता सूची उपलब्ध कराने से इनकार किया गया, जिससे चुनाव की निष्पक्षता पर सवाल खड़े होते हैं। नानालाल वया ने बताया कि निर्धारित शुल्क जमा करने के बावजूद बिना सील-हस्ताक्षर की अधूरी सूची दी जा रही है। सीए सुधीर मेहता ने कहा कि बड़ी संख्या में नए सदस्यों को बिना कार्य परिषद की स्वीकृति के जोड़ा गया है। विरोध प्रदर्शन के दौरान निर्मल पोखरना, अरविंद जारोली, अनिल मेहता, अंकुर, नरेंद्र जारोली, अजय ढींग, कुलदीप मेहता, ललित भंडारी, प्रवीण गाडिया, नवरतन कोठारी, नरेंद्र चौधरी सहित अनेक समाजजन उपस्थित रहे।

87,695 करोड़ के AGR बकाए पर वोडाफोन-आइडिया की सफाई:कंपनी ने कहा- सरकार से कोई बातचीत नहीं हुई; शेयर 11.5% गिरा



24 न्यूज अपडेट

वोडाफोन-आइडिया (VI) ने बुधवार (31 दिसंबर) को क्लेरिफिकेशन जारी कर कहा है कि AGR बकाए को लेकर सरकार की ओर से कोई कम्युनिकेशन नहीं मिला है। स्टॉक एक्सचेंजों (BSE-NSE) के मीडिया रिपोर्ट्स पर स्पष्टीकरण मांगने के बाद वोडाफोन आइडिया ने यह बयान जारी किया है।

इससे पहले कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि केंद्रीय कैबिनेट ने कर्ज में डूबी टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन-आइडिया के लिए राहत पैकेज को मंजूरी दे दी है। कैबिनेट के इस फैसले के तहत कंपनी के 87,695 करोड़ के एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू (AGR) बकाए को फिलहाल 'फ्रीज' कर दिया गया है।

इसका मतलब है कि कंपनी को अब यह भारी-भरकम राशि तुरंत नहीं चुकानी होगी। सरकारी न्यूज एजेंसी ANI और PTI के सूत्रों के मुताबिक, यह भुगतान अब वित्त वर्ष 2032 से 2041 के बीच 10 साल की विंडो में करना होगा।

खबर के बाद कंपनी का शेयर आज 11.5% गिरा

इस खबर के बाद कंपनी का शेयर आज 11.5% गिरकर 10.67 रुपए पर बंद हुआ। 1 महीने में कंपनी का शेयर 7% और छह महीने में 43% चढ़ा है। वहीं एक साल में इसने निवेशकों को 34% रिटर्न दिया है। कंपनी का मार्केट कैप 1.17 लाख करोड़ रुपए है।

सेंसेक्स 546 अंक चढ़कर 85,221 पर बंद:निफ्टी में 191 अंक की बढ़त रही, बैंकिंग और मेटल शेयर्स में खरीदारी



24 न्यूज अपडेट

साल के आखिरी दिन यानी आज, 31 दिसंबर को शेयर बाजार में तेजी रही। सेंसेक्स 546 अंक चढ़कर 85,221 पर बंद हुआ। निफ्टी में 191 अंक की तेजी रही, ये 26,130 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 में से 25 शेयरों में तेजी रही। निफ्टी के 50 शेयरों में से 44 चढ़कर बंद हुए। आज बैंकिंग, मेटल, एनर्जी और FMCG शेयर्स में ज्यादा बढ़त रही।

सोने-चांदी के दाम में लगातार दूसरे दिन गिरावट:सोना 1,404 गिरकर 1.33 लाख पर आया; चांदी 1,909 सस्ती होकर 2.30 लाख प्रति किलो हुई



24 न्यूज अपडेट

आज यानी बुधवार, 31 दिसंबर को सोने-चांदी के दाम में लगातार दूसरे दिन गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का भाव 1,404 रुपए गिरकर 1,33,195 रुपए पर आ गया है। कल यह 1,34,599 रुपए/10G पर था।

वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 1,909 रुपए कम होकर 2,30,420 रुपए पर आ गई है। कल इसकी कीमत 2,32,329 रुपए किलो थी। लगातार 5 दिन तक चढ़ने के बाद कल चांदी में गिरावट आई थी, आज गिरावट का लगातार दूसरा दिन है।

इससे पहले 29 दिसंबर को कारोबार के दौरान सोने की कीमत 1,38,161 रुपए प्रति 10 ग्राम और चांदी की 2,43,483 रुपए प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई थी। ये दोनों का अब तक का सबसे ज्यादा भाव यानी ऑल टाइम हाई रेट है।

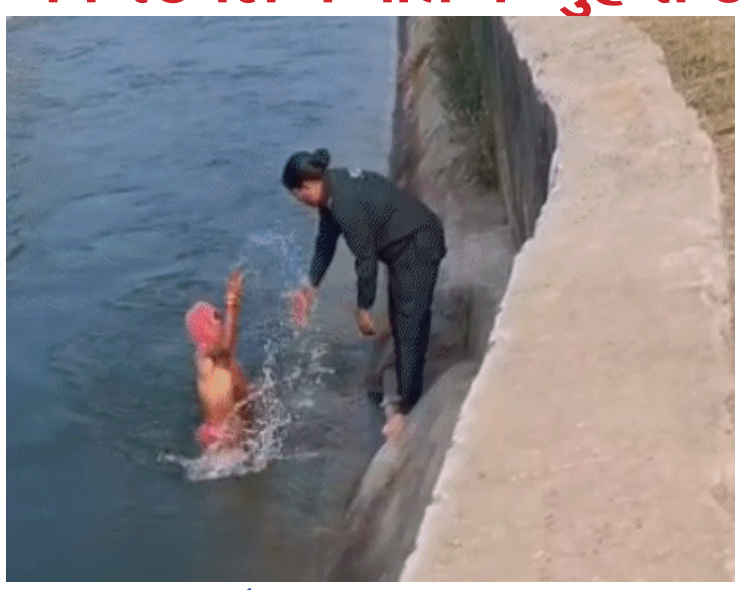
संपादकीय : संरक्षण की सुध

हाल ही में अरावली पहाड़ियों की ऊंचाई को लेकर सुप्रीम कोर्ट की ओर से नई परिभाषा सामने आने के बाद स्वाभाविक ही यह बहस तेज हो गई कि अगर इसे कसौटी बनाया गया, तो आने वाले वक्त में स्थानीय पारिस्थितिकी पर इसका क्या असर पड़ेगा। पर्यावरण विशेषज्ञों से लेकर आम जनता के स्तर पर सौ मीटर की ऊंचाई वाली परिभाषा को लेकर चिंता जताई गई और एक बड़े इलाके के पर्यावरण पर जोखिम की आशंका के मद्देनजर इसमें फिर से बदलाव की मांग की गई। अब सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को अपने पहले के निर्देशों पर रोक लगा दी और कहा कि कुछ महत्त्वपूर्ण अस्पष्टता को दूर करने की जरूरत है। इसमें एक सवाल यह भी शामिल है कि क्या सौ मीटर की ऊंचाई और पहाड़ियों के बीच पांच सौ मीटर का अंतर पर्यावरण संरक्षण के दायरे के एक महत्त्वपूर्ण हिस्से को कम कर देगा। गौरतलब है कि 20 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने अरावली पहाड़ियों और श्रेणियों की एक समान और वैज्ञानिक परिभाषा को मंजूरी दे दी थी । इसके अलावा, अरावली क्षेत्र में विशेषज्ञों की रपट आने तक नए खनन पट्टे देने पर रोक लगा दी गई थी। दरअसल, दुनिया की सबसे प्राचीन पर्वत श्रृंखलाओं में से एक अरावली पहाड़ियों के संरक्षण और बिना रोकटोक खनन से समूचे क्षेत्र में होने वाले पर्यावरणीय नुकसान को लेकर लंबे समय से बहस चलती रही है। इसी संबंध में केंद्रीय वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की एक समिति ने सिफारिश की थी कि अरावली पहाड़ियों के संबंध में स्पष्ट और वैज्ञानिक परिभाषा बेहद जरूरी है। समिति ने यह भी कहा था कि अरावली जिलों में स्थित सौ मीटर या उससे अधिक की किसी भी भू-आकृति को पहाड़ी माना जाएगा। मगर सुप्रीम कोर्ट की ओर से भी इसे स्वीकार्यता मिलने के बाद राष्ट्रीय स्तर पर अरावली के जीवन को लेकर चिंता जताई गई और कई सवाल उठे। यह एक जगजाहिर तथ्य है कि दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान तथा गुजरात में सैकड़ों किलोमीटर के इलाके में फैली अरावली पहाड़ियां कैसे एक जीवन रेखा की भूमिका में खड़ी हैं और पर्यावरण के लिहाज से इसकी कितनी अहमियत है। ऐसे में स्वाभाविक ही यह सवाल उठा कि इस पर्वत श्रेणी में निर्बाध खनन गतिविधियों को अगर खुली छूट दी गई तो यह सार्वजनिक हित के लिहाज से कितना सही है ! पर्यावरण विशेषज्ञों और इस मसले पर शोधकर्ताओं का साफ मानना रहा है कि अगर सौ मीटर से नीचे की सभी पहाड़ियों में खनन की इजाजत दे दी जाती है, तो इसका असर समूचे इलाके में पड़ेगा। पश्चिम की तरफ से आने वाली गर्म हवा और धूल भरी अधियों को रोकने में अरावली की पहाड़ियां एक तरह की दीवार का काम करती हैं। इस संदर्भ में देखें तो इन पहाड़ियों की यह भूमिका और महत्त्व सभी जानते हैं कि अगर इन्हें नुकसान पहुंचा, तो पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली सहित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के इलाकों में धूल भरी आंधियों और सूखे का प्रकोप काफी बढ़ जाएगा। ऐसे में अगर अरावली पहाड़ियों के संरक्षण को लेकर कोई सख्त नियम-कायदे तय नहीं किए गए, तो उसके बाद उस इलाके में खनन और निर्माण से जुड़ी अन्य गतिविधियों से पर्यावरण पर व्यापक पैमाने पर नकारात्मक असर पड़ेगा और पारिस्थितिकी तंत्र के नष्ट हो जाने की आशंका है। यह सही है कि विकास की राह न रुके, लेकिन अगर इसकी कीमत पर एक बड़े इलाके के पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र को दीर्घकालिक नुकसान पहुंचता है, तो विकास की परिभाषा पर सवाल उठेंगे।

सपना और सच

देश में पिछले कुछ वर्षों से एनआरआई यानी अनिवासी भारतीयों से शादी रचाने का चलन बढ़ रहा है। विदेश की चकाचौंध यहां के परिवारों को अपनी ओर आकर्षित करती है। मगर कई बार उनके ये सपने तब डरावनी हकीकत में बदल जाते हैं, जब उन्हें धोखाधड़ी, शोषण, परित्याग, और मानसिक एवं शारीरिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ता है। केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की वार्षिक रपट से पता चलता है कि इस तरह की परेशानियां सबसे ज्यादा पंजाब की महिलाओं को झेलनी पड़ रही हैं, क्योंकि वहां अनिवासी भारतीयों से विवाह का आंकड़ा भी ज्यादा है। इसके बाद महाराष्ट्र, दिल्ली, और केरल सहित दूसरे राज्यों का स्थान आता है। यहां गौर करने वाली बात यह है कि ऐसे मामलों में दो देशों के शामिल होने से कानूनी प्रक्रिया भी जटिल हो जाती है। हालांकि, सरकारी तंत्र में इस तरह की शिकायतों के निपटारे के लिए व्यवस्था मौजूद है, लेकिन जमीनी स्तर पर उसका प्रभावी असर कम ही दिखाई देता है। महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की रपट के मुताबिक, वर्ष 2024 में देशभर से ऐसे मामलों से जुड़ी चार सौ से अधिक शिकायतें दर्ज की गईं। जबकि, इस वर्ष एक जनवरी से 31 मार्च तक यह आंकड़ा सौ से ज्यादा रहा। वहीं, राष्ट्रीय महिला आयोग के आंकड़े बताते हैं कि इस वर्ष पंजाब में अनिवासी भारतीयों से विवाह के विवाद को लेकर सबसे ज्यादा 49 शिकायतें मिलीं। इसी तरह, महाराष्ट्र से 37 और दिल्ली से 31 मामले सामने आए। पंजाब में इस तरह के मामले अधिक होने के पीछे कई कारक जिम्मेदार हैं, जिनमें सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक पहलू भी शामिल हैं। सरकार का दावा है कि ऐसे मामलों को सुलझाने के लिए कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया को भिन्न हितधारकों के साथ समन्वय करके तेज किया जाता है। विदेश में भारतीय दुतावासों और मिशनों के जरिए भी समाधान तलाशने की कोशिश की जाती है। मगर हकीकत यह है कि विदेश में भाषा, कानून और सामाजिक सहयोग के अभाव में पीड़ित महिलाओं के लिए मदद पाना बेहद मुश्किल हो जाता है। सरकार को चाहिए कि इस तरह के मामलों में कानूनी प्रक्रिया को सरल एवं सुगम बनाया जाए, ताकि दोषियों को जल्द न्याय के कटघरे में लाया जा सके।

नहर में कूदी महिला को लेडी कॉन्स्टेबल ने मौत के मुंह से खींच लाया



24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा। जिले के बारी सियातलाई गांव में बुधवार को मानवता और साहस की एक जीवंत तस्वीर सामने आई, जब आत्महत्या के इरादे से नहर में कूदी एक महिला को लेडी कॉन्स्टेबल ने अपनी जान जोखिम में डालकर बचा लिया। तेज बहाव, डूबने का खतरा और महिला के विरोध के बावजूद कॉन्स्टेबल ने हिम्मत नहीं हारी और आखिरकार महिला को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। इस पूरे रेस्क्यू का वीडियो भी सामने आया है। घटना बुधवार सुबह करीब 11 बजे की है। सूचना मिलते ही थाना स्तर पर तत्काल कार्रवाई की गई। SHO बुधाराम बिश्नोई के अनुसार, नहर में महिला के कूदने की खबर मिलते ही पुलिस जाब्ता मौके पर भेजा गया। रेस्क्यू टीम में कालिका टीम की महिला कॉन्स्टेबल गंगा डामोर और थाने के कॉन्स्टेबल दीपक लबाना शामिल थे।

समझाइश से नहीं मानी, तो नहर में कूदी कॉन्स्टेबल

मौके पर पहुंचकर पुलिस ने महिला को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वह बाहर आने को तैयार नहीं हुई। हालात बिगड़ते देख महिला कॉन्स्टेबल गंगा डामोर ने बिना देर किए नहर में छलांग लगा दी। पानी के तेज बहाव में महिला ने कॉन्स्टेबल को कसकर पकड़ लिया और उन्हें भी अपने साथ डुबोने की कोशिश करने लगी।

जान पर खेलकर बचाई जान

इस मुश्किल घड़ी में भी गंगा डामोर ने संयम और साहस नहीं छोड़ा। संघर्ष करते हुए उन्होंने महिला को काबू में किया और किसी तरह किनारे की ओर खींचती रहीं। बाहर खड़े कॉन्स्टेबल दीपक लबाना ने तत्परता दिखाते हुए दोनों का हाथ पकड़कर उन्हें सुरक्षित बाहर निकाल लिया।

कॉन्स्टेबल की जुबानी

रेस्क्यू के बाद कॉन्स्टेबल गंगा डामोर ने बताया कि महिला की हालत गंभीर थी और वह किसी भी हाल में बाहर आने को तैयार नहीं थी, इसलिए नहर में कूदकर उसे बचाना जरूरी हो गया। वहीं कॉन्स्टेबल दीपक लबाना ने कहा कि महिला कॉन्स्टेबल को पानी में खींचने लगी थी, लेकिन मैडम ने साहस दिखाया और महिला को किनारे तक ले आईं, जिसके बाद दोनों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

पाटीदार समाज की 13वीं खेलकूद प्रतियोगिता का समापन



24 न्यूज अपडेट

पाटीदार समाज मेवाड़ की 13वीं खेलकूद प्रतियोगिता का मंगलवार को समापन हुआ, आयोजित तीन दिवसीय प्रतियोगिता के बाद क्रिकेट में नंगावली विजेता व नया राजपुरा उपविजेता रही, वॉलीबॉल में ईडरा विजेता व नंगावली उपविजेता रही, कबड्डी छात्रा वर्ग में बड़ा राजपुरा विजेता व देवली उपविजेता रही, कबड्डी छात्र वर्ग में रूपपुरा विजेता व खेता खेड़ा उप विजेता रही, खो-खो छात्र वर्ग में बड़ा राजपुरा विजेता व भुतखेडा उपविजेता रही। साथ ही साहित्यिक प्रतियोगिता के विजेता व उपविजेता भी घोषित किए गए। समापन समारोह के मुख्य अतिथि चित्तौड़गढ़ डेयरी चेयरमेन बद्री लाल जाट रहे, कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज के अध्यक्ष बगदीराम पाटीदार ने की, विशिष्ट अतिथि श्री राष्ट्रीय सरदार पटेल सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद पाटीदार मसोटीया रहे। अतिथियों का समाज जनों ने मोमेंटो देकर व दुपट्टा साफा पहनाकर स्वागत सत्कार किया। अतिथियों ने विजेता व उपविजेता टीमों को प्रोत्साहन राशि व ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। आयोजित प्रतियोगिता में अतिथि सम्मान व खिलाड़ियों को पारितोषिक न्यू नालंदा पब्लिक स्कूल मंगलवाड के संचालक हजारीलाल कैलाश चंद्र कुलमी के द्वारा दिए गए। इस दौरान पूर्व प्रधान डूंगला सूरजमल पाटीदार, कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह, समाज के महामंत्री जीतमल पाटीदार, खेल मंत्री प्रकाश पाटीदार, पूर्व महामंत्री विजय प्रकाश पाटीदार,श्री राष्ट्रीय पटेल सेना के प्रदेश सचिव गमीरचंद पाटीदार, प्रदेश महामंत्री अनार सिंह पाटीदार, जिला संयोजक बांसवाड़ा जगदीश पाटीदार, प्रतापगढ़ जिला अध्यक्ष गोविंद पाटीदार सहित बड़ी संख्या में समाजजन मोजुद रहे।

उदयपुर में छत भराई करते पकड़ा गया दुष्कर्म का इनामी आरोपी, मजदूर बन पुलिस ने बिछाया जाल



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। बांसवाड़ा जिले में नाबालिग के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में पिछले करीब 11 महीनों से फरार चल रहा 5 हजार रुपए का इनामी आरोपी आखिरकार उदयपुर में पुलिस के जाल में फंस गया। आरोपी शहर में पहचान छिपाकर निर्माण स्थल पर छत भराई का काम कर रहा था, तभी मजदूरों के बीच पहुंचे पुलिसकर्मियों ने उसे दबोच लिया। जानकारी के अनुसार, दानपुर थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि फरार आरोपी उदयपुर में किसी कंस्ट्रक्शन साइट पर मजदूरी कर रहा है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस की एक विशेष टीम उदयपुर पहुंची और तीन दिनों तक शहर की विभिन्न निर्माण साइट्स पर निगरानी रखी गई।

मजदूरों की सूची ने खोली पोल

पुलिसकर्मी मजदूर और ठेकेदार का भेष बनाकर निर्माण स्थलों पर पहुंचे। इसी दौरान एक साइट पर छत भराई के कार्य के समय मजदूरों की सूची की जांच की गई। सूची में जैसे ही इनामी आरोपी शंकर पुत्र मानु, निवासी कुंडा का नाम सामने आया, पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उसे मौके पर ही डिटेन कर लिया।

11 महीने से पुलिस को दे रहा था चकमा

पुलिस के अनुसार, आरोपी पर 31 जनवरी 2025 को नाबालिग के अपहरण का मामला दर्ज हुआ था। बाद में पीड़िता के बयान और घटनाक्रम सामने आने पर दुष्कर्म की धाराएं भी जोड़ी गईं। करीब पांच महीने बाद 8 जुलाई 2025 को पीड़िता आरोपी के चंगुल से छूटकर घर लौटी, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुका था।

मध्यप्रदेश में भी दी गईं दबिश, नहीं लगा सुराग

आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने मध्यप्रदेश के रतलाम, इंदौर और उज्जैन में भी कई बार दबिश दी, लेकिन वह हर बार स्थान बदलकर पुलिस को चकमा देता रहा। गिरफ्तारी नहीं होने पर उस पर 5 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया था। उदयपुर में छिपकर कर रहा था मजदूरी लगातार दबाव बढ़ने के बाद आरोपी उदयपुर आकर मजदूरी करने लगा और कंस्ट्रक्शन साइट्स पर काम कर रहा था। उसे अंदाजा नहीं था कि पुलिस मजदूर बनकर ही उसकी तलाश में लगी हुई है।

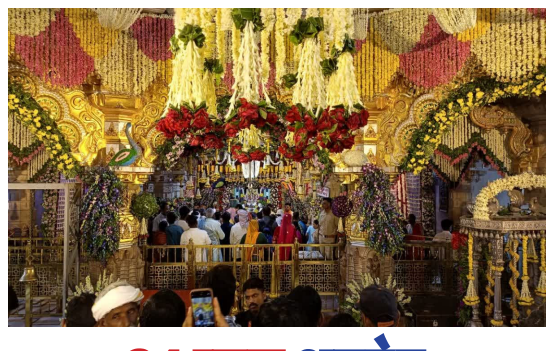
गौरव मॉर्निंग क्रिकेट क्लब के कैलेंडर का विमोचन



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। गौरव मॉर्निंग क्रिकेट क्लब ने अपने 10 वर्षों के गौरवशाली सफर के उपलक्ष्य में नववर्ष 2026 कैलेंडर का विमोचन किया। कार्यक्रम में क्लब के संस्थापक एवं सचिव डॉ. प्रकाश जैन सहित दिनेश जैन, अर्जुन डांगी, ओम प्रकाश जैन, पन्ना लाल चौधरी, योगेंद्र चौधरी, राकेश जैन, रितेश जैन, विजय नंदवाना, संजय सुखवाल, सरदार सिंह, प्रदीप जैन, सावन जैन, भूपेंद्र जैन, नयन जैन, बृजेश, दिनेश चौहान, कैलाश नाथ एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे। डॉ. प्रकाश जैन ने बताया कि क्लब की विशेषता स्वास्थ्य केंद्रित नियमित क्रिकेट गतिविधि है, जिसमें खिलाड़ियों को दो बार बल्लेबाजी का अवसर दिया जाता है और खेल में दौड़कर रन लेने पर जोर रहता है। उदयपुर के विभिन्न क्षेत्रों से खिलाड़ी क्लब से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि यह क्लब केवल खेल का मंच नहीं, बल्कि आपसी सहयोग और सामाजिक सरोकारों से जुड़ा एक परिवार बन चुका है। कार्यक्रम के अंत में खिलाड़ियों ने स्मृतियां साझा कीं, नववर्ष की शुभकामनाएं दीं और सामूहिक फोटो खिंचवाई।

सांवलिया सेठ धाम चार लाख फूलों से सजा, पुणे, दिल्ली, पश्चिम बंगाल थाईलैंड से मंगवाए दुर्लभ पुष्प



24 न्यूज अपडेट

नववर्ष 2026 के स्वागत और 31 दिसंबर के विशेष अवसर को लेकर मेवाड़ के आराध्य भगवान श्री सांवलिया सेठ का प्रसिद्ध मंदिर इस समय भक्ति, सौंदर्य और सुगंध से सराबोर हो उठा है। नए साल के आगमन से पूर्व ही मंदिर परिसर को इस तरह भव्य रूप से सजाया गया है कि दर्शनार्थी प्रवेश करते ही एक अलौकिक और आध्यात्मिक अनुभूति महसूस कर रहे हैं।

मंदिर परिसर की सजावट में चार लाख से अधिक ताजे

फूलों का उपयोग किया गया है। रंग-बिरंगे, खुशबूदार फूलों से सजा सिंहद्वार, कॉरिडोर और गर्भगृह नववर्ष की आस्था और उल्लास का प्रतीक बन गया है।

चार लाख फूलों से महका मंदिर परिसर

सजावट के लिए रोजेस, ऑर्किड्स, हेलिकोनिया, लिलीज, ब्लू डेज़ी, जिप्सोफेलिया, ग्लैडियोलस, एंथुरियम, डिशबर्ड और क्रिसेंथिमम जैसे दुर्लभ और आकर्षक फूलों का चयन किया गया है। रंग-संतुलन और दृश्य सौंदर्य को ध्यान में रखते हुए हर कोने को सजाया गया है। इसके साथ ही लगभग दो क्विंटल पत्तियों और मालाओं का भी उपयोग किया गया, जिससे परिसर में हरियाली और ताजगी बनी हुई है।

गर्भगृह से सिंहद्वार तक पुष्प-वर्षा की छटा

मंदिर के सिंहद्वार से लेकर मुख्य कॉरिडोर और गर्भगृह तक ताजे फूलों से विशेष सजावट की गई है। गर्भगृह में फ्रेश फ्लावर डेकोरेशन पर विशेष ध्यान रखा गया है, ताकि दर्शन के दौरान भक्तों को पवित्र और मनोहारी वातावरण का अनुभव हो। फूलों से झूमर बनाए गए हैं, वहीं विस्टोरिया, मेपल पत्तियों और ऊन की बॉल से कॉरिडोर को सजाया गया है।

देश-विदेश से मंगवाए गए विशेष फूल

श्री सांवलिया सेठ मंदिर की इस भव्य सजावट के लिए फूल पुणे, दिल्ली, पश्चिम बंगाल के साथ-साथ थाईलैंड से भी मंगवाए गए हैं। थाईलैंड से डिशबर्ड, हेलिकोनिया और एंथुरियम जैसे विशेष फूल लाए गए हैं। सजावट में हाथी, हिरण और मोर के आकर्षक आर्टिकल्स भी लगाए गए हैं, जो प्राकृतिक सौंदर्य और आध्यात्मिक भाव को और सशक्त बनाते हैं।

मंत्रों, झंडों और सनातन प्रतीकों से सजा धाम

मंदिर परिसर में विभिन्न झंडे लगाए गए हैं, जिन पर गायत्री मंत्र, गणेश स्तोत्र और माताजी के श्लोक अंकित हैं। इससे पूरा परिसर सनातन संस्कृति और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत नजर आ रहा है। राजस्थानी छजरिया, बंगाल से मंगवाए गए टेंपास और तालपाम आर्टिकल्स सजावट को विशिष्ट पहचान दे रहे हैं।

श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखकर की गई सजावट

एडीएम प्रभा गौतम ने बताया कि सांवलिया सेठ के प्रति श्रद्धालुओं की आस्था निरंतर बढ़ रही है। पिछले वर्ष नववर्ष पर लगभग 15 लाख श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे थे। इस वर्ष भी 25 दिसंबर से ही भीड़ बढ़ने लगी है। श्रद्धालुओं को दर्शन के दौरान एक फ्रेश, सुगंधित और आध्यात्मिक माहौल मिले, इसी उद्देश्य से यह विशेष सजावट की गई है।

सेल्फी प्वाइंट बने आकर्षण का केंद्र

नववर्ष को ध्यान में रखते हुए मंदिर परिसर में कई आकर्षक सेल्फी प्वाइंट भी तैयार किए गए हैं। फूलों की खुशबू और रंगीन सजावट के बीच श्रद्धालु यादगार पल कैमरे में कैद करते नजर आ रहे हैं। नववर्ष के अवसर पर आने वाले दिनों में लाखों श्रद्धालुओं के सांवलिया सेठ धाम पहुंचने की संभावना है। ऐसे में यह भव्य पुष्प-सज्जा श्रद्धालुओं के लिए आस्था, सौंदर्य और अध्यात्म का संगम बन गई है।

जयपुर में एपीओ चल रहे आरपीएस अधिकारी रितेश पटेल गिरफ्तार, एक करोड़ की रंगदारी मांगने का आरोप



24 न्यूज अपडेट

जयपुर। राजस्थान पुलिस सेवा (RPS) के 2019 बैच के अधिकारी रितेश पटेल को जयपुर में गिरफ्तार किया गया है। एपीओ (Awaiting Posting Orders) चल रहे पटेल पर एक पीड़ित को धमकाकर एक करोड़ रुपये की रंगदारी मांगने का गंभीर आरोप है। आरोप है कि पटेल ने एसओजी की फर्जी एफआईआर तैयार कर पीड़ित को भेजी और उसे डराकर पैसे की मांग की। जानकारी के अनुसार, रितेश पटेल बजरी के लेन-देन से जुड़े एक मामले में पहले ही एपीओ चल रहे थे। इसके बावजूद उन्होंने अपने पद और रसूख का दुरुपयोग करते हुए एक फर्जी एफआईआर बनवाई और पीड़ित को भेजकर दबाव बनाया। आरोप है कि इस दौरान पटेल ने पीड़ित से 25 लाख रुपये ऑनलाइन और 25 लाख रुपये नकद भी वसूल कर लिए। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस और एसओजी में दर्ज करवाई थी। शिकायत के आधार पर महेश नगर थाना पुलिस ने मंगलवार देर रात करीब 2:30 बजे जयपुर के केसर चौराहा स्थित पटेल के आवास से उन्हें डिटेन किया। पूछताछ के दौरान रितेश पटेल ने फर्जीवाड़ा करने और पैसे लेने की बात स्वीकार कर ली, जिसके बाद उन्हें औपचारिक रूप से गिरफ्तार कर लिया गया। फिलहाल मामले की विस्तृत जांच जारी है।

बजरी प्रकरण से जुड़ा है पूरा मामला

मामले की जड़ वर्ष 2024 का बजरी से जुड़ा एक प्रकरण बताया जा रहा है। गंगापुर थाना क्षेत्र में तत्कालीन सीआई फूलचंद ने आशाहोली गांव के पास अवैध बजरी से भरे दो ट्रैक्टर पकड़े थे। ट्रैक्टरों को थाने में खड़ा करवा दिया गया था और इसकी सूचना उच्च अधिकारियों को भी दी गई थी। जांच में सामने आया था कि दोनों ट्रैक्टरों का रजिस्ट्रेशन नहीं था, जबकि उनके चेसिस नंबर पर जून 2024 की मैन्युफैक्चरिंग डेट अंकित थी। माना गया कि ट्रैक्टर खरीदने के बाद भी आरटीओ में पंजीयन नहीं कराया गया था। इसी दौरान तत्कालीन डीएसपी रितेश पटेल थाने पहुंचे और ट्रैक्टरों को छुड़वाने का दबाव बनाया, लेकिन सीआई फूलचंद ने नियमों का हवाला देते हुए उनकी बात मानने से इनकार कर दिया। यह मामला बाद में तूल पकड़ गया और सोशल मीडिया पर भी काफी चर्चा में रहा। इसके बाद रितेश पटेल को एपीओ कर दिया गया था।

हाई डोज निमेसुलाइड पर केंद्र सरकार की सख्ती, 100 MG से अधिक की खाने वाली दवाओं पर तत्काल रोक



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने दर्द और बुखार में इस्तेमाल होने वाली दवा निमेसुलाइड (Nimesulide) की 100 मिलीग्राम से अधिक डोज वाली सभी खाने की दवाओं की मैन्युफैक्चरिंग और बिक्री पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। यह निर्णय 29 दिसंबर से लागू हो चुका है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, निमेसुलाइड एक नॉन-स्टेरॉइडल एंटी-इंफ्लेमेटरी दवा है, जो दर्द में राहत देती है, लेकिन अधिक मात्रा में इसके सेवन से लिवर को गंभीर नुकसान पहुंचने का खतरा रहता है। विशेषज्ञों की सलाह और उपलब्ध सुरक्षित विकल्पों को देखते हुए हाई डोज पर रोक लगाई गई है। सरकार ने साफ किया है कि यह प्रतिबंध पूरी निमेसुलाइड दवा पर नहीं, बल्कि केवल 100 MG से अधिक डोज वाली ओरल दवाओं पर लागू होगा। 100 MG या उससे कम डोज की दवाएं डॉक्टर की सलाह पर पहले की तरह मिलती रहेंगी। इस फैसले के बाद दवा कंपनियों को हाई डोज निमेसुलाइड का उत्पादन तुरंत बंद करना होगा और बाजार में मौजूद स्टॉक को वापस मंगाना पड़ेगा। नियमों की अनदेखी करने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मेडिकल स्टोरों को भी ऐसे स्टॉक हटाने के निर्देश दिए गए हैं। सरकारी निर्णय का असर आम मरीजों पर भी पड़ेगा। कुछ बड़ी फार्मा कंपनियों की दर्द निवारक दवाएं बाजार से हट सकती हैं और अब मरीजों को डॉक्टर की सलाह से वैकल्पिक पेनकिलर जैसे पैरासिटामोल या आइबुप्रोफेन दी जाएंगी। बिना परामर्श के दवा लेना और कठिन होगा। स्वास्थ्य मंत्रालय ने पहले से खरीदी गई 100 MG से अधिक डोज वाली दवाओं को बिना डॉक्टर की सलाह इस्तेमाल न करने की चेतावनी दी है। बच्चों के लिए निमेसुलाइड पहले से ही प्रतिबंधित है, इसलिए इस फैसले का उन पर कोई नया असर नहीं पड़ेगा। गौरतलब है कि सरकार ने 20 फरवरी 2025 को पशुओं के लिए निमेसुलाइड के सभी उपयोगों पर पहले ही रोक लगा दी थी। अब करीब 11 महीने बाद इंसानों के लिए भी हाई डोज पर सख्त कदम उठाया गया है।

राजस्थान के 44 पुलिस इंस्पेक्टर बने RPS: नए साल पर मिला पदोन्नति का तोहफा; गृह विभाग ने जारी किए आदेश



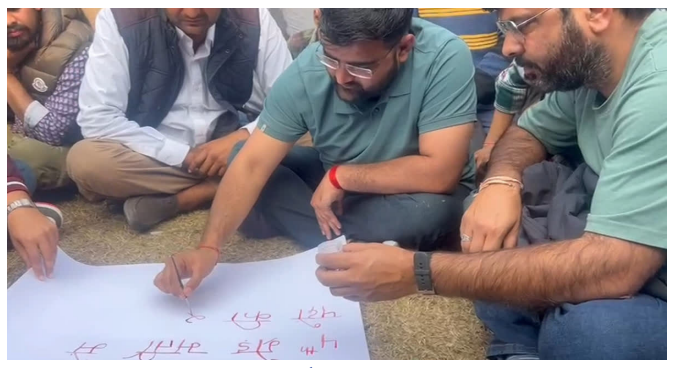
24 न्यूज अपडेट

राजस्थान के 44 इंस्पेक्टरों को नए साल पर प्रमोशन का तोहफा मिला है। पुलिस निरीक्षक RPS अधिकारी बन जाएंगे। गृह विभाग के संयुक्त शासन सचिव आनंदी लाल वैष्णव ने आदेश जारी किए हैं। इसमें जयपुर ग्रामीण के चौमूं थाने के SHO प्रदीप शर्मा का भी नाम शामिल है।

प्रदीप शर्मा हाल ही में चौमूं में मस्जिद के बाहर पत्थरबाजी मामले को लेकर चर्चा में आए थे। उनको लेकर कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा था कि प्रदीप शर्मा चुनाव लड़ने की फिराक में हैं। प्रदीप शर्मा अब डिप्टी रैंक के अधिकारी बन गए हैं।

गृह विभाग की ओर से जारी आदेश के तहत पदोन्नत सभी इंस्पेक्टर अग्रिम आदेश तक वर्तमान पद पर काम करते रहेंगे।

खून से लिखा सीएम को पत्रः युवा बेरोजगारों ने चतुर्थ श्रेणी भर्ती में पद बढ़ाने की मांग के साथ विदा किया 2025



24 न्यूज अपडेट

जयपुरः राजस्थान में बेरोजगार युवाओं ने एक बार फिर सरकार की चौखट पर दस्तक दी है. इस बार उन्होंने स्याही की जगह अपने खून से पत्र लिखकर अपनी गुहार सुनाई है. चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती में पदों की संख्या बढ़ाने की मांग को लेकर राजस्थान बेरोजगार यूनियन के बैनर तले विरोध जताते हुए युवाओं ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नाम खून से पत्र लिखा और सरकार को अपनी घोषणा याद दिलाई. प्रदेश के युवा बेरोजगारों ने वर्ष 2025 को विरोध प्रदर्शन के साथ विदा किया.

जयपुर के त्रिवेणी नगर में हुए विरोध प्रदर्शन के दौरान बेरोजगार यूनियन के अध्यक्ष हनुमान किसान ने मुख्यमंत्री के नाम खून से पत्र लिखकर युवाओं की पीड़ा व्यक्त की. हनुमान किसान ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने पहले चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के 60 हजार पदों पर भर्ती की घोषणा की थी, लेकिन बाद में राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की विज्ञप्ति में यह संख्या घटकर 53 हजार 749 रह गई. यही कटौती आज लाखों युवाओं के गुस्से का कारण बनी हुई है.

परीक्षा में 21 लाख 17 हजार 198 अभ्यर्थियों ने भाग लिया, जो बीजेपी सरकार के कार्यकाल की अब तक की सबसे बड़ी भर्ती परीक्षा है. उन्होंने सवाल किया कि वर्ष 2022 तक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के कुल स्वीकृत पद 82 हजार 154 थे, फिर भर्ती सीमित पदों पर ही क्यों कराई गई? विभिन्न विभागों में आज भी हजारों पद खाली पड़े हैं, लेकिन सरकार उन पर गंभीर नजर नहीं आ रही है.

पदों की संख्या बढ़ाई जाएः यूनियन संयोजक रवींद्र चौधरी ने सरकार से मांग की कि सभी विभागों से रिक्त पदों की अंतिम सूची मंगवाकर इसी भर्ती में पदों की संख्या बढ़ाई जाए. इस एक प्रशासनिक फैसले से हजारों युवाओं की जिंदगी की दिशा बदल सकती है. कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से बीते दिनों परीक्षा संपन्न कराई जा चुकी है और अब निर्धारित पदों की तुलना में दोगुने अभ्यर्थियों के रिजल्ट जारी कर उन्हें दस्तावेज सत्यापन के लिए आमंत्रित किया जाएगा. ऐसे में अब सबकी निगाहें सरकार और राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के अगले कदम पर टिकी हुई हैं. यह देखना जरूरी होगा कि सरकार युवाओं की मांगों और खून से लिखे गए इस पत्र को कितनी गंभीरता से लेती है.

पत्नी ने रची पति की हत्या की साजिश, प्रेमी से करवाया मर्डर, आरोपी गिरफ्तार



24 न्यूज अपडेट

कोतवाली थाना पुलिस ने बुधवार को रविकांत हत्या मामले का खुलासा कर दिया. पुलिस का कहना है कि मृतक की पत्नी रजनी ने ही अपने प्रेमी शाहरुख से पति की हत्या करवाई थी. पुलिस ने आरोपी शाहरुख को गिरफ्तार कर लिया है. मृतक की पत्नी को डिटेन कर पूछताछ की जा रही है.

जंगल में मिली थी लहूलुहान बॉडीः सीओ कृष्ण कुमार जांगिड़ ने बताया कि सैपऊ थाना क्षेत्र के दौनारी गांव निवासी 35 वर्षीय युवक रविकांत पुत्र सोबरन सिंह 27 दिसंबर को घर से लापता हो गया था. युवक के घर नहीं पहुंचने पर परिजनों ने 28 दिसंबर को स्थानीय पुलिस थाने पर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी. 29 दिसंबर को युवक रविकांत की डेड बॉडी धौलपुर शहर के कोतवाली थाना इलाके में शेरगढ़ किले के जंगलों में खून से लथपथ अवस्था में पड़ी हुई मिली थी. पुलिस ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया और एफएसएल टीम को बुलाया गया. डेड बॉडी को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम कराया गया. परिजनों इस मामले में हत्या का आपराधिक प्रकरण दर्ज कराया था.

पत्नी ने रची हत्या की साजिशः मृतक रविकांत की पत्नी रजनी के अवैध शाहरुख नाम के लड़के से बन गए थे. शाहरुख ऑटो चलाता है. बताया जा रहा है करीब 1 साल पूर्व शाहरुख के ऑटो में बैठकर रविकांत की पत्नी रजनी अपने गांव दौनारी जा रही थी. छोटे से सफर में दोनों की दोस्ती हो गई. दोनों ने एक-दूसरे के मोबाइल नंबर शेयर किए. इसके बाद शाहरुख का रविकांत के घर आना-जाना शुरू हो गया. रजनी ने अपने पति रविकांत से प्रेमी शाहरुख की मुलाकात कराई थी. पुलिस से मिली जानकारी में रविकांत हैदराबाद में मजदूरी का काम करता था. रजनी के अकेला रहने पर उसका प्रेमी शाहरुख अक्सर उसके घर आया जाया करता था.

शराब पिलाकर की हत्याः रविकांत को ठिकाने लगाने के लिए रजनी एवं उसके प्रेमी शाहरुख खान ने खौफनाक योजना बना डाली. पत्नी रजनी ने परिचित की बाइक लेकर शाहरुख के साथ रविकांत को बाजार में खरीदारी करने के लिए भेज दिया. हत्या आरोपी शाहरुख रविकांत को शराब पिलाकर शेरगढ़ किले के पास ले गया और पत्थरों से पीट-पीट कर निर्मम हत्या कर दी. हत्या करने के बाद डेड बॉडी को किले के ऊपर से करीब 50 फीट नीचे खाई में फेंक दिया था.

पत्नी ने ही कर दिया मामले का खुलासाः रविकांत के गायब होने के बाद परिजनों ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करवाई. 29 दिसंबर को पत्नी रजनी ने परिजनों को बताया कि उसको सपना आया है. सपने में रविकांत किसी मुसीबत में पड़ा हुआ है. वह शेरगढ़ किले के पास खून से लथपथ अवस्था में है और किसी ने उस पर जानलेवा हमला किया है. रविकांत बार-बार सपने में मदद की गुहार लगा रहा है. सपने की मनगढ़ंत बात को सुनकर परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई और रजनी को लेकर शेरगढ़ किले के पास पहुंच गए. जहां खून से लथपथ अवस्था में रविकांत की लाश पड़ी हुई थी.

नशे की तस्करी पर एक्शनः 15 लाख रुपए का मादक पदार्थ जब्त, नाइजीरियन नागरिक सहित पांच दबोचे



24 न्यूज अपडेट

जयपुरः नए साल की पूर्व संध्या पर राजधानी में नशे की तस्करी करने वाले तस्करों और ड्रग पैडलर्स के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है. इनमें एक विदेशी नागरिक भी शामिल है. आरोपियों के कब्जे से पुलिस ने मादक अलग-अलग मादक पदार्थ जब्त किए हैं. इनकी कीमत करीब 15 लाख रुपए है.

पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि जयपुर कमिश्नरेट की स्पेशल टीम (सीएसटी) ने जयपुर में तीन अलग-अलग कार्रवाई करते हुए अवैध मादक पदार्थ के साथ संगीता सांसी, अब्दुल गफ्फार, आरिफ मोहम्मद, ऑगस्टीन और विजय सोलंकी को गिरफ्तार किया है. ऑगस्टीन नाइजीरिया का नागरिक है. उसके पास भारत का वैध वीजा और पासपोर्ट भी नहीं है. आरोपियों के कब्जे से 179.09 ग्राम स्मैक, 12.26 ग्राम एमडी ड्रग (क्रिस्टल), 27.17 ग्राम कोकीन और नशीली दवा की दो टैबलेट मिली है. एक कार भी जब्त की गई है.

बगरू में महिला के पास मिली स्मैकः बगरू थाना इलाके में नशे की तस्करी की जानकारी मिलने पर सीएसटी ने बगरू थाना पुलिस के साथ दबिश देकर संगीता सांसी को गिरफ्तार किया है. वह अजमेर में सांसी बस्ती की रहने वाली है. उसके पास 77.1 ग्राम स्मैक जब्त की गई है. उसके खिलाफ बगरू थाने में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है है. वह स्मैक कहां से लाती थी और किस माध्यम से बेचती थी. इसे लेकर पुलिस जांच कर रही है.

शिवदासपुरा में तीन आरोपी पकड़ेः शिवदासपुरा थाना इलाके में सीएसटी ने स्थानीय पुलिस के साथ कार्रवाई को अंजाम दिया और अब्दुल गफ्फार खान, आरिफ मोहम्मद व विजय सोलंकी को गिरफ्तार कर लिया. उनके कब्जे से 102.8 ग्राम स्मैक बरामद की गई है. गफ्फार आजनोटा गांव का निवासी है. आरिफ चांदमा कलां का और विजय उत का खेड़ा का निवासी है. उनके खिलाफ शिवदासपुरा थाने में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है.

एमडी सप्लाई करने आ रहा था नाइजीरियनः उन्होंने बताया कि सीएसटी को जानकारी मिली कि एक संदिग्ध व्यक्ति बस से दिल्ली से जयपुर आ रहा है. इसके पास मादक पदार्थ होने की सूचना मिली. टीम ने कानोता थाना पुलिस के साथ कार्रवाई करते हुए ऑगस्टीन को गिरफ्तार किया है. वह मूलतः नाइजीरिया का रहने वाला है और फिलहाल फरीदाबाद में किराए पर रहता है. उसके कब्जे से 12.26 ग्राम एमडी ड्रग, 27.17 ग्राम कोकीन और नशीली दवा के दो टैबलेट मिले हैं. उसके खिलाफ कानोता थाने में एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है.

राजस्थान पुलिस की वर्ष 2026 की प्राथमिकताएँ तय



24 न्यूज अपडेट

जयपुर, 31 दिसम्बर। पुलिस महानिदेशक श्री राजीव कुमार शर्मा ने वर्ष 2026 के लिए राजस्थान पुलिस की प्रमुख प्राथमिकताओं को स्पष्ट करते हुए कहा है कि जन-सुरक्षा, अपराध नियंत्रण और जनविश्वास को केंद्र में रखते हुए पुलिस तंत्र को और अधिक प्रभावी, संवेदनशील एवं तकनीक-सक्षम बनाया जाएगा।

अपराध संबंधी प्राथमिकताएं : डीजीपी श्री शर्मा ने बताया कि अपराध संबंधी प्राथमिकताओं के अंतर्गत संगठित अपराध के विरुद्ध सख्त एवं निर्णायक कार्यवाही की जाएगी। महिलाओं, बच्चों एवं कमजोर वर्गों के प्रति होने वाले अपराधों की रोकथाम राजस्थान पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता रहेगी, जिसमें त्वरित कार्रवाई और गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही, सड़क सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन को सुदृढ़ करते हुए दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। बढ़ते साइबर अपराधों को देखते हुए उनकी रोकथाम और तकनीकी रूप से सक्षम अनुसंधान पर विशेष बल दिया जाएगा।

प्रशासनिक प्राथमिकताएं : प्रशासनिक प्राथमिकताओं पर प्रकाश डालते हुए डीजीपी श्री शर्मा ने कहा कि जनसहभागिता के माध्यम से पुलिस-जन संबंधों को और मजबूत किया जाएगा, जिससे पुलिस व्यवस्था अधिक पारदर्शी और भरोसेमंद बने। पुलिस कार्यों में आधुनिक तकनीक के अधिकतम उपयोग से कार्यकुशलता बढ़ाई जाएगी। पुलिस कार्मिकों की कार्यदशा, कल्याण और दक्षता में सुधार हेतु निरंतर प्रयास किए जाएंगे। इसके साथ ही, पुलिस परिसरों में सामुदायिक सेवाओं को प्रोत्साहित कर समाज के साथ पुलिस की सहभागिता को नई दिशा दी जाएगी।

डीजीपी श्री शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया कि वर्ष 2026 में इन प्राथमिकताओं के प्रभावी क्रियान्वयन से राजस्थान पुलिस और अधिक जनहितकारी, सक्षम एवं उत्तरदायी बनेगी तथा राज्य में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत किया जा सकेगा।

न्यू इयर-2026 सेलिब्रेशन के जश्न डूबी लेकसिटी



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। लेकसिटी उदयपुर ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि नए साल का जश्न मनाने के लिए यह देश के सबसे पसंदीदा शहरों में शुमार क्यों है। 31 दिसंबर की शाम से ही उदयपुर पर्यटकों से खचाखच भर गया। पहाड़ियों पर बसे महल, झीलों के शांत जल में झिलमिलाती रोशनी, ठंडी हवा और उत्सव का माहौल—हर ओर नया साल आने की खुशी साफ झलकती रही।

सज्जनगढ़ पर विदाई का ऐतिहासिक नजारा

न्यू ईयर ईव पर सबसे ज्यादा भीड़ सज्जनगढ़ (मानसून पैलेस) के सनसेट पॉइंट पर देखने को मिली। करीब 3 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित इस पॉइंट पर सैलानी दोपहर से ही पहुंचने लगे थे। सूर्यास्त से पहले ही कपल्स, परिवार और दोस्तों के ग्रुप्स ने अपनी जगह बना ली। जैसे ही सूरज पहाड़ियों के पीछे ढलने लगा, तालियों, शोर और कैमरों की फ्लैश लाइट के बीच लोगों ने हाथ हिलाकर 2025 को अलविदा कहा। सनसेट के साथ सेल्फी और ग्रुप फोटो का ऐसा क्रेज दिखा कि हर कोई उस पल को अपने कैमरे में कैद करना चाहता था। कई टूरिस्ट्स ने इसे "जीवन का सबसे खूबसूरत न्यू ईयर ईव" बताया। पहाड़ियों से नीचे नजर आता रोशनी से जगमगाता उदयपुर किसी सपने से कम नहीं लग रहा था।

रोशनी में नहाया शाही शहर

जैसे-जैसे अंधेरा बढ़ा, वैसे-वैसे पूरा उदयपुर गोल्डन और वॉर्म लाइट्स से चमक उठा। पिछोला झील के किनारे बना सिटी पैलेस, जगमंदिर, फतेहसागर झील, दूध तलाई और पुराने शहर की गलियां खास रोशनी में नहाई नजर आईं। झीलों के पानी में महलों और लाइट्स का प्रतिबिंब ऐसा लग रहा था मानो पूरा शहर किसी भव्य उत्सव मंच में बदल गया हो। पर्यटकों का कहना था कि उदयपुर का न्यू ईयर इसलिए अलग है क्योंकि यहां पार्टी के साथ-साथ सुकून और शाही ठाठ दोनों का अनुभव मिलता है।

300 से ज्यादा पार्टियां, रात 9 बजे बाद चरम पर जश्न

शहर और आसपास के क्षेत्रों—अंबामाता, नाई, बड़गांव, प्रतापनगर, सुखेर और नेशनल हाईवे के रिसॉर्ट एरिया—में 300 से ज्यादा छोटी-बड़ी पार्टियां आयोजित की गई हैं। होटल्स, रिसॉर्ट्स, क्लब, फार्महाउस और वाटिकाओं में शाम 8 बजे से कार्यक्रम शुरू हो गए, जो देर रात और नए साल की सुबह तक चलेंगे। इन पार्टियों में डीजे नाइट, लाइव सिंगिंग, फायर वर्क्स, ग्रुप डांस, थीम बेस्ड डिनर और ओपन एयर सेलिब्रेशन का आयोजन किया गया है। कई फाइव स्टार और हेरिटेज होटल्स में फॉरेन कंट्री थीम पार्टियां भी रखी गई हैं, जहां विदेशी मेहमानों के साथ देसी टूरिस्ट भी झूमते नजर आए। लाइव सिंगर राजीव राजा की परफॉर्मेंस आकर्षण का केंद्र रही, वहीं अंतरराष्ट्रीय पहचान वाले डीजे और टॉमोरलैंड आर्टिस्ट्स भी शहर की पार्टियों में धमाल मचा रहे हैं। इसके अलावा डीजे शेडो, डीजे अख्तर जैसे नामी कलाकार भी अलग-अलग वेन्यू पर परफॉर्म कर रहे हैं।

पार्टी पास की कीमतें भी चर्चा में रहीं—सिंगल एंट्री करीब 3500 रुपए से शुरू होकर ग्रुप पैकेज में 70 से 80 हजार रुपए तक पहुंच गई। इसके बावजूद लगभग सभी बड़े इवेंट्स हाउसफुल रहे।

होटल्स और रिसॉर्ट्स लगभग पूरी तरह फुल हैं। शहर में करीब 900 से ज्यादा होटल्स-रिसॉर्ट्स और 550 से ज्यादा होमस्टे, गेस्ट हाउस व विला हैं, लेकिन इसके बावजूद कई पर्यटकों को एडवांस बुकिंग के बिना कमरे नहीं मिल पाए। ।

देशभर से पहुंचे सैलानी

उदयपुर में सर्वाधिक टूरिस्ट गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बंगाल, दिल्ली और उत्तर प्रदेश से पहुंचे हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक भी लेकसिटी में नए साल का स्वागत करने आए हैं। कई विदेशी सैलानियों ने कहा कि भारत में न्यू ईयर सेलिब्रेशन के लिए उदयपुर उन्हें सबसे सुरक्षित, सुंदर और यादगार शहर लगता है। न्यू ईयर के चलते उदयपुर के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर भारी भीड़ है। पिछोला झील में बोटिंग के लिए करीब डेढ़ घंटे की वेटिंग रही। करणी माता और नीमच माता रोपवे पर 2 घंटे तक इंतजार करना पड़ा। सहेलियों की बाड़ी में 30 मिनट की लाइन लगी। सज्जनगढ़ फोर्ट में भी एंट्री टिकट के लिए आधे घंटे तक इंतजार करना पड़ा। सिटी पैलेस में कई बार आधे घंटे के बाद ही प्रवेश मिल सका।

सुरक्षा और ट्रैफिक पर खास इंतजाम

न्यू ईयर की रात को देखते हुए पुलिस प्रशासन और नगर निगम पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। ट्रैफिक जाम से बचने के लिए कई क्षेत्रों में वन-वे सिस्टम लागू किया गया है। बसों की पारस तिराहा, प्रतापनगर और आरके सर्किल से आगे एंट्री बंद रखी गई है। चौपहिया वाहन नगर निगम की निर्धारित पार्किंग में ही खड़े कराए जा रहे हैं। आतिशबाजी और संभावित हादसों को देखते हुए नगर निगम ने फायर ब्रिगेड स्टाफ बढ़ा दिया है ताकि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई की जा सके।

मंदिरों में भी विशेष तैयारियां

न्यू ईयर की सुबह धार्मिक आस्था का भी विशेष महत्व रहता है। जगदीश मंदिर, श्रीनाथजी मंदिर और अस्थल मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए मंदिर मंडलों ने व्यवस्थाएं बढ़ा दी हैं। मंगला दर्शन सुबह 5 बजे से होंगे। पर्यटन उद्योग से जुड़े लोगों का कहना है कि इस बार पर्यटकों की संख्या पिछले वर्षों की तुलना में ज्यादा रहने की उम्मीद है। स्कूलों में छुट्टियों के कारण परिवारों के साथ घूमने का सिलसिला 4 जनवरी तक जारी रहेगा।

भूपाल नोबल्स का 104वां गौरवपूर्ण अध्याय 2 जनवरी से, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह रहेंगे समारोह के साक्षी



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शिक्षा, सेवा और संस्कार की विरासत को समेटे विद्या प्रचारिणी सभा भूपाल नोबल्स संस्थान, उदयपुर अपना 104वां स्थापना दिवस आगामी 2 जनवरी 2026 को भव्य एवं ऐतिहासिक स्वरूप में मनाने जा रहा है। आयोजन प्रातः 11 बजे महाराणा प्रताप खेल मैदान पर होगा, जहां 10 हजार से अधिक विद्यार्थी, शिक्षाविद, पूर्व छात्र एवं शहर के गणमान्य नागरिक शामिल होंगे। कार्यक्रम की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और मैदान में विशाल पांडाल के साथ सुरक्षा के सभी प्रोटोकॉल लागू किए जा रहे हैं।

रक्षा मंत्री करेंगे शिरकत, मेवाड़ी परंपरा में होगा स्वागत

संस्थान के कार्यवाहक अध्यक्ष प्रो. शिवसिंह सारंगदेवोत ने प्रेसवार्ता में बताया कि 1923 में स्थापित भूपाल नोबल्स संस्थान ने अपने 103 वर्षों के गौरवशाली सफर में शिक्षा, चिकित्सा, राजनीति और सेना के क्षेत्र में देश को असंख्य प्रतिभाएं दी हैं। स्थापना दिवस समारोह के मुख्य अतिथि केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह होंगे। वे सर्वप्रथम संस्थापक भूपाल सिंह की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करेंगे, जिसके बाद एनसीसी कैडेट्स द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा। विशिष्ट अतिथियों में राजसमंद सांसद महिमा कुमारी मेवाड़, उदयपुर सांसद डॉ. मन्नालाल रावत, चित्तौड़गढ़ सांसद सी.पी. जोशी, कुंभलगढ़ विधायक सुरेन्द्र सिंह राठौड़ एवं समाजसेवी-राजनीतिज्ञ अनिल सिंह शामिल होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान संरक्षक एवं अध्यक्ष महाराणा विश्वराज सिंह मेवाड़ करेंगे। संस्थान को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाले तथा खेल जगत में उल्लेखनीय योगदान देने वाले विशिष्ट सदस्यों को "लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड–2026" से सम्मानित किया जाएगा। प्रोफेसर सारंगदेवोत ने बताया कि बीएन विवि नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप स्टूडेंट सेन्ट्रिक शिक्षा के लिए कटिबद्ध है व नए रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों पर ध्यान दे रहा हैं। ए आई सहित अन्य चुनौतियों के लिए भी स्टूडेंट्स को स्किल अप करते हुए तैयार कर रहा है।

हवन, चिकित्सा शिविर और रक्तदान से होगी शुरुआत

संस्थान के प्रबंध निदेशक मोहब्बत सिंह राठौड़ ने बताया कि स्थापना दिवस से पूर्व प्रातः 8 बजे देश में अमन-शांति के लिए हवन-पूजन किया जाएगा, जिसमें संस्था के पदाधिकारी और सदस्य भाग लेंगे। प्रातः 9 बजे ओल्ड बॉयज एसोसिएशन की ओर से विशाल चिकित्सा शिविर एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा।

प्रवेश और पार्किंग की अलग व्यवस्था

संयुक्त मंत्री राजेन्द्र सिंह ताणा ने जानकारी दी कि सुरक्षा कारणों से आमजन का प्रवेश सेवाश्रम स्थित इंडोर स्टेडियम मार्ग से होगा, जबकि भूपाल नोबल्स संस्थान के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मुख्य मार्ग से प्रवेश करेंगे। वाहनों की पार्किंग भी निर्धारित स्थलों पर ही की जाएगी।

7 जनवरी को भूपाल नोबल्स

विश्वविद्यालय का दूसरा दीक्षांत समारोह

भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय का दूसरा दीक्षांत समारोह 7 जनवरी 2026 को आयोजित किया जाएगा। रजिस्ट्रार डॉ. एन.एन. सिंह ने बताया कि समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान के राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागड़े होंगे। इस अवसर पर 99 शोधार्थियों को पीएचडी उपाधि, 47 उत्कृष्ट विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक, तथा स्नातक-स्नातकोत्तर सत्र 2025 की डिग्रियां प्रदान की जाएंगी। इसमें 99 पीएचड कीउपाधियां प्रदान की जाएंगी। इसके अलावा 47 स्वर्ण पदक प्रदान किए जाएंगे।

फरवरी में वेस्ट जोन बास्केटबॉल प्रतियोगिता

संस्थान के वित्त सचिव शक्ति सिंह कारोही ने बताया कि आगामी 3 से 6 फरवरी तक भूपाल नोबल्स खेल मैदान पर वेस्ट जोन बास्केटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा, जिसमें एक हजार से अधिक खिलाड़ी, कोच और मैनेजर भाग लेंगे।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ ताकाजी बावजी मंदिर में पांच दिवसीय अनुष्ठान संपन्न



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर जिले के मावली उपखंड के ईन्टाली गांव स्थित ताकाजी बावजी मंदिर में वैदिक मंत्रोच्चार और विधि-विधान के साथ अनुष्ठान का भव्य आयोजन किया गया। पांच दिवसीय धार्मिक आयोजन के तहत पंडितों द्वारा नियमित पूजा-अर्चना, अभिषेक, हवन और मंत्रोच्चार किए गए, जिससे पूरे क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बना रहा। मंदिर के भोपाजी पन्नालाल प्रजापत ने बताया कि ताकाजी बावजी मंदिर की क्षेत्र में गहरी आस्था और मान्यता है। आयोजन के दौरान विधि-विधान से पूजन के पश्चात मंदिर की मुख्य ध्वजा और गादी भी चढ़ाई गई। पांचों दिन श्रद्धालुओं के लिए भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें भजन मंडलियों ने भक्ति रस की धारा बहाई। मुख्य यजमान गेहरीलाल प्रजापत ने बताया कि पांच दिवसीय अनुष्ठान समारोह को लेकर ग्रामवासियों में विशेष उत्साह देखा गया। इंटाली गांव सहित आसपास के विभिन्न गांवों से सैकड़ों श्रद्धालु कार्यक्रम में शामिल हुए। आयोजन के पंचम और अंतिम दिन वैदिक अनुष्ठानों के समापन के साथ महाप्रसाद का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की। प्राण प्रतिष्ठा के इस धार्मिक आयोजन से गांव में धार्मिक और सामाजिक एकता का संदेश गया तथा श्रद्धालुओं ने ताकाजी बावजी से क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की।

ग्राहक पखवाड़ा कार्यक्रम का समापन, मिलावट पर जागरूकता का दिया संदेश



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत संगठन की ओर से आयोजित ग्राहक पखवाड़ा कार्यक्रम का समापन समारोह उदयपुर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की जानकारी देते हुए पंचायत के जिला मंत्री नारायण पंचोली ने बताया कि समापन समारोह में खाद्य सुरक्षा, शुद्धता और उपभोक्ता जागरूकता पर विशेष रूप से चर्चा की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अशोक शर्मा (खाद्य निरीक्षक) रहे, जबकि अध्यक्षता राकेश पालीवाल (प्रांत संगठन मंत्री) ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में गजेन्द्र आवोत (प्रधानाचार्य, फतह स्कूल) एवं करुण चंडालिया (पूर्व एमडी, सरस दुग्ध संघ) उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि अशोक शर्मा ने खाद्य सामग्री में मिलावट की जांच की प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी देते हुए कहा कि उपभोक्ताओं को मिलावटी खाद्य पदार्थों के प्रति सतर्क रहना चाहिए। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं से आह्वान किया कि वे स्वस्थ और शुद्ध भोजन की आदत विकसित करें। प्रांत संगठन मंत्री राकेश पालीवाल ने ग्राहक पंचायत संगठन की कार्यपद्धति पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पखवाड़े के दौरान विभिन्न जनसमस्याओं को जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों के समक्ष उठाकर उनके समाधान का प्रयास किया गया, जो समाज सेवा का पुण्य कार्य है। उन्होंने इसके लिए सभी सदस्यों को बधाई दी। विशिष्ट अतिथि करुण चंडालिया ने दूध, घी और दुग्ध उत्पादों में हो रही मिलावट और अशुद्धियों पर विस्तार से जानकारी दी तथा शुद्ध दुग्ध उत्पादों के उपयोग पर जोर दिया। कार्यक्रम में महिला अध्यक्ष पूर्णिमा बोकड़िया ने भी उपभोक्ता अधिकारों और जागरूकता पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन पंचायत के जिला अध्यक्ष शिवकुमार शर्मा ने किया, जबकि करणसिंह कटारिया ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। फतहलाल पारिक, हरिशंकर तिवारी, रमेश जोशी, मांगीलाल भोई, संगीता जैन, मंजू भावसार, राजू कुंवर चौहान, सुनीता जोशी, नरोत्तम गौड़, डॉ. कुणाल आमेटा, जयप्रकाश भावसार, राजेन्द्र सोनी, राजेन्द्र सेन, राजकुमार शर्मा, लोकेश सोनी, किशन टांक, प्रथम जोशी, मानसी जोशी, श्वेता नैनावटी सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित रहे।

विनय क्रिकेट क्लब की प्रियांशी चौधरी बनी राजस्थान अंडर-19 टीम की कप्तान



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। 69वीं राष्ट्रीय स्तर की अंडर-19 छात्रा वर्ग विद्यालय क्रिकेट प्रतियोगिता में राजस्थान टीम की कमान उदयपुर की होनहार क्रिकेटर प्रियांशी चौधरी को सौंपी गई है। प्रियांशी झीलों की नगरी उदयपुर स्थित विनय क्रिकेट क्लब द्वारा संचालित बी.एन. क्रिकेट अकादमी में प्रशिक्षित खिलाड़ी हैं। बी.एन. क्रिकेट अकादमी की प्रवक्ता ममता राठौर ने बताया कि एसजीएफआई (SGFI) नेशनल स्कूल क्रिकेट चैंपियनशिप का आयोजन मध्यप्रदेश के शिवपुरी में किया जा रहा है। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए राजस्थान अंडर-19 महिला टीम का कप्तान प्रियांशी चौधरी को बनाया गया है, जबकि सीकर जिले की ईशा को उपकप्तान नियुक्त किया गया है। प्रियांशी चौधरी वर्तमान में उदयपुर के सेंट्रल पब्लिक स्कूल (CPS) में अध्ययनरत हैं तथा विनय क्रिकेट क्लब की बी.एन. क्रिकेट अकादमी में बीसीसीआई लेवल-1 कोच एवं रणजी ट्रॉफी खिलाड़ी चंद्रपाल सिंह चुंडावत के मार्गदर्शन में नियमित प्रशिक्षण प्राप्त कर रही हैं। विनय क्रिकेट क्लब के संस्थापक सचिव एवं उदयपुर जिला क्रिकेट संघ के उपाध्यक्ष यशवंत पालीवाल ने बताया कि प्रियांशी वर्तमान में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) द्वारा आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भी राजस्थान राज्य टीम का प्रतिनिधित्व कर रही हैं और उनका प्रदर्शन लगातार उत्कृष्ट रहा है। वर्तमान में वे जोधपुर स्थित माउंट कार्मेल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में आयोजित 69वीं राष्ट्रीय विद्यालय अंडर-19 छात्रा वर्ग क्रिकेट प्रतियोगिता के प्रशिक्षण शिविर में भाग ले रही थीं, जहां से पूरी टीम प्रतियोगिता के लिए शिवपुरी रवाना हुई।

राजस्थान अंडर-19 महिला टीम (SGFI राष्ट्रीय प्रतियोगिता)

प्रियांशी चौधरी – कप्तान, ईशा – उपकप्तान,गौरवी खंगारोत,कृष्णा पाटीदार,साहिबा, सरिता बाना,प्राची चौधरी, गुंजन,दृष्टि खोडा, नंदनी गुर्जर,सरिता यति पारिक, कृति व्यास, गंगा पुनिया प्रियांशी जैन सहायक स्टाफ, माया कुमारी जाट – प्रशिक्षक, भवैन्द्र जाखड़ – कोच सोनी वर्मा – मैनेजर, किरण साईं – महिला प्रभारी श्रीमती ममता राठौर प्रवक्ता विनय क्रिकेट क्लब बी.एन. क्रिकेट अकादमी ने यह जानकारी दी

चाइनीज मांझा मिला तो होगी पशु क्रूरता निवारण एक्ट में कार्रवाई



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 31 दिसम्बर। पतंगबाजी में चाइनीज मांझे का इस्तेमाल करने से पशु-पक्षियों को होने वाली हानि के मद्देनजर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पशुपालन विभाग, उदयपुर के संयुक्त निदेशक डॉ. सुरेश कुमार जैन ने बताया कि चाइनीज मांझे का उपयोग नहीं करने को लेकर पशुपालन विभाग आमजन को जागरूक करेगा। साथ ही चाइनीज व धातु वाले मांझे से घायल पक्षियों के इलाज के लिए संस्थाओं के सहयोग से विशेष शिविर लगाए जाएंगे। पशुपालन विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने इसको लेकर नई गाइड लाइन जारी की। इसमें चाइनीज मांझे के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध के बाद भी उपयोग से पशु-पक्षियों को गंभीर चोट व मृत्यु की घटनाओं को रोकने के निर्देश दिए है। नई गाइडलाइन में इस पर रोक लगाने के लिए प्रभावी रणनीति बनाने और पक्षी चिकित्सा व बचाव की कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इसमें पुलिस व प्रशासन की मदद से सघन तलाशी अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं प्रतिबंधित मांझे के स्टॉक को जब्त कर पशु क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 सहित विभिन्न प्रावधानों में कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।